कृषि क्षेत्र में अनुसंधान और अन्वेषण

1558. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री वीरेन्द्र जे० शाह :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अप्रैल, 1994 में कुल कितने वैज्ञानिक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में अनुसंधान और अन्वेषण कार्य में लगे हुए थे और वे देश के कुल कितने केन्द्रों में अलग-अलग कार्य कर रहे थे;

(ख) सरकार द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वार्षिक बजट पर औसतन कुल कितनी धनराशि व्यय की जाती है और इसमें से वहां कार्यरत कर्मचारियों के वेतन, भत्तों और यात्रा भत्तों, कार्यालयों के रख-रखाव शोधकर्ताओं को शिक्षावृत्ति तथा शोध और अन्वेषण हेतु सामग्री उपलब्ध कराने संबंधी अलग-अलग मदों पर 1991–92, 1992–93 तथा 1993–94 में कितनी-कितनी राशि व्यय की गई है ; और

(ग) क्या यह सच है कि उपर्युक्त संस्थान के कार्यकरण में पर्याप्त सुधार की आवश्यकता है, यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा इसके कार्यकरण में किए जाने वाले सुधारों की पहचान कर ली गई है ; और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इसके कार्यान्वयन के लिए सरकार की क्या योजनाएं हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस. कृष्ण कुमार) : (क) महोदय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में, अप्रैल, 1994 के दौरान भा०कृ०अ०प० मुख्यालय सहित 75 व्यावहारिक संस्थानों/प्रायोजना निदेशालयों/राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्रों और ब्यूरेक्स में 4347 वैज्ञानिक अनुसंधान एवं अन्वेषण का कार्य कर रहे थे ।

(ख) वर्षवार व्यय-संबंधी सूचना विवरण में दी गयी है ।

(ग) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की कार्यप्रणाली की समय-समय पर पुनरीक्षा की जाती रही है । भा०कृ०अ०प० के संगठनात्मक ढांचे, बुनियादी ढांचे, कार्मिक नीतियों और क्रियात्मक भूमिका की समीक्षा एक उच्च अधिकार प्राप्त समीक्षा समिति द्वारा की गई जिसके अध्यक्ष डा० जी०वी० के० राव थे । इस समिति ने अपनी रिपोर्ट मार्च, 1988 में प्रस्तुत की । उस समिति की सिफारिशों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया और उनमें से बहुत सी सिफारिशों को संगठन की प्रभावी कार्यप्रणाली के लिए पहले ही लागू किया जा चुका है । फिलहाल और आगे समीक्षा की जरुरत नहीं है ।

विवरण

वर्ष 1991–92 से 1993–94 के दौरान भा०कृ०अनु० परिषद का व्यय

वर्ष	योजना	गैर-योजना	कुल
1991–92	163.24	164.28	327.52
1992–93	176.03	186.73	362.76
1993–94	*230.32	*218.86	449.18

उप-शीर्ष वतन एवं यात्रा भत्ता और अन्य अधिभारों के तहत व्यय

II वर्ष	उप-शीर्ष	योजना	गैर-योजना	कुल
1991–92	(i) भत्तों सहित वेतन	6.21	100.12	106.33
	(ii) यात्रा-भत्ता	0.68	2.30	2.98
	(iii) कार्य	23.75	0.24	23.99
	(iv) अन्य अधिभार इत्यादि	132.60	61.62	194.22
1992–93	(i) भत्तों सहित वेतन	3.37	118.93	122.30
	(ii) यात्रा-भत्ता	0.78	2.19	2.97
	(iii) कार्य	16.60	0.18	16.78
	(iv) अन्य अधिभार इत्यादि	155.28	65.43	220.71
1993–94	(i) भत्तों सहित वेतन	*3.99	*135.01	*139.00
	(ii) यात्रा-भत्ता	*0.80	*2.09	*2.89
	(iii) कार्य	33.35	0.20	33.55
	(iv) अन्य अधिभार इत्यादि	192.18	81.56	273.74

टिप्पणी :

1. जिन आंकड़ों के सामने * का चिन्ह है वे अस्थाई हैं क्योंकि लेखाओं को अभी अन्तिम रूप दिया जा रहा है ।
2. गैर-योजनागत व्यय में कृषि उत्पाद (सैस) अधिनियम के तहत प्राप्तियों से प्राप्त व्यय शामिल है ।
3. अन्य अधिभारों में, उपस्करों और अनुसंधान कार्य में काम आने वाली सामग्री, अनुसंधान के लिए अन्य आकस्मिक खर्चे, कार्यालय के आकस्मिक खर्चे, अनुसंधान के लिए कार्यालयों और फार्मों के रख-रखाव, शोधवेत्ताओं के लिए अध्ययतावृति संबंधी खर्चे आदि शामिल हैं ।

Integrated poultry development projects

1559. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the National Co-operative Development Corporation (NCDC) has sanctioned some Integrated Poultry Development Projects;

(b) if so, the States for which such poultry development projects have been sanctioned;

(c) whether any such popultry project has been sanctioned for Orissa;

(d) if so, the names of the places in Orissa where these projects are going to be set up; and

(e) the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The National Cooperative Development Corporation has so far sanctioned 70 ntegrated Poultry Development Projects in he State of Maharashtra, one in Gujarat and three in Orissa bringing the total to 74.

(d) and (e) In Orissa, three integrated poultry projects were sanctioned in 1993-94 as per details given in the Statement.